मानसश्री गोपाल राजू
www.gopalrajuarticles.webs.com

हनुमानजीकीगोलीकाचमत्कार

महाबली हैं, बजरंगवली। इनकी शक्ति का देव, दानव और असुर सबने लोहा माना है। ग्रह-नक्षत्र भी देव के नाम से कांपते है। शत्रु, भूत, प्रेत, किन्नर, जिन्न, चुडैल आदि तो हनुमान जी का नाम सुनते ही रफूचक्कर हो जाते हैं। किसी भी कार्य में सफल होना है तो कलयुग में हनुमान जी से बड़ा कोई अन्य देव अथवा देवी का नाम नहीं आता। वरदान भी है हनुमान जी को कि जो कोई देव की श्रद्धा से भक्ति करेगा उसके कार्य सफल होंगे ही होंगे।

अब अगर हनुमान जी गोली की चर्चा हो तो उसके प्रभाव की स्वयं ही कल्पना कर लीजिए। बच पाएगा भला कोई बैरी जिसपर हनुमान जी की गोली चलेगी। एक बहुत ही अच्छा उपाय दिया था मैंने इस चमत्कारी गोली को बनाने का। यह वस्तुतः एक रक्षा कवच की तरह कार्य करती है। यदि देव में और उनकी दिव्य शक्तियों में आस्था है तो आप स्वयं भी यह गोली बना सकते हैं।

जो सुधि पाठक यू ट्यूब में उपस्थित हैं, वह गोपाल राजू के लेखों को

वहां भी एक सुन्दरतम् शैली में सुन सकते हैं।

ट्रक आदि बड़े वाहनों में से बाल बेयरिंग से एक स्ट्रील की गोली जुटा लें। आकार में यह कंचे से थोड़ी छोटी हो। हनुमान जी के किसी सिद्ध मन्दिर से उनके वस्त्रों में से थोड़ा सा लाल कपड़ा पुजारी से लाकर तीन-चार इंच वर्ग के लगभग उसमें से काट लें। कोई भी शुभ नक्षत्र देखें। न हो तो किसी में मंगलवार को चुन लें। इस उपाय के लिए स्टील की उस गोली को अच्छे से धोकर साफ कर लें और कच्चे दूध तथा गंगा जल में डुबा कर रख लें। नीचे दिए हुए मंत्र की ग्यारह माला श्रद्धा से जप कर लें। सम्भव हो और अधिक प्रभाव गोली से लेना हो तो अन्तिम अर्थात् ग्यारहवीं माला में प्रत्येक मंत्र जप के बाद में गाय के दहकते हुए गोबर के कण्डे अथवा उपले (जो भी आप स्थानीय भाषा में बोलते हों) पर गूगुल की सामग्री से होम करें। पूजा के बाद गोली को वहां रख लें जहां आप कोई धर्म ग्रंथ जैसे रामायण, सुन्दरकाण्ड, हनुमान चालीसा, आदि रखते हों। आप इस विचित्र विग्रह को यह समझ कर रखें जैसे आपने किसी का लाइसेंस ले लिया है और यथा समय अधिकार स्वरूप आप उसका उपयोग कर सकते हैं। भविष्य में कभी कहीं किसी आवश्यक कार्य के लिए घर से निकलना हो तो गोली साथ रखें। राह में पड़ने वाले हनुमान जी के किसी मन्दिर में जाएं। गोली को हनुमान जी के चरणों से स्पर्श करवाकर मंत्र की एक माला जपकर अपने इष्ट कार्य की सिद्धि की देव से दीन-हीन बनकर आग्रह करें और अपने गन्तव्य की और प्रस्थान करें। आपका कार्य यदि सिद्ध न हो तब भी गोली के प्रति अनास्था मन में न आने दें। घर वापस लौटकर गोली को गंगाजल से पवित्र कर लें और यथा स्थान रखने के बाद भी एक माला मंत्र की जप कर लें। प्रभु से पुनः पुनः यही निवेदन करें कि हे महाबली अगली बार मेरे इष्ट कार्य अवश्य ही सिद्ध करें।

एक उपाय इसमें मैंने अपने बुद्धि और विवेक से और जोड़ा था। असफल होने के बाद आप भी इसको जीवन में अपना कर देख सकते हैं।

गोली को रखते समय तीन सिक्के जो भी उपलब्ध हों गोली के साथ गंगाजल में धोकर रख दें। तदन्तर में किसी प्रयोजन के लिए जाते समय यह गोली के साथ मंत्र की एक माला जपकर तीनों सिक्के भी साथ रख लें। राह में मंदिर में गोली स्पर्श करते समय एक सिक्का देव को अर्पित कर दें। दूसरा राह में पड़ने वाले किसी नदी के जल में विसर्जित कर दें और तीसरा कहीं श्मशान की और फेक दें। यदि लगता हैं कि श्मशान अथवा पानी का स्रोत कहीं मार्ग में पड़ेगा ही नहीं तब जल में विसर्जित करने वाला सिक्का भी देव मंदिर में अर्पित कर दें। कुछ दूर जाकर सिक्का बिना पीछे मुड़े सर के ऊपर से अपने पीछे की ओर उछाल दें।

जप मंत्र -

"ॐ ऐं ह्लीं श्रीं नमो भगवते
हनुमते मम् कार्येषु
ज्वल ज्वल प्रज्वल प्रज्वल
असाध्यं साधय-साधय
माम् रक्ष सर्व दुष्टेभ्यो
हुँ फट् स्वाहा"